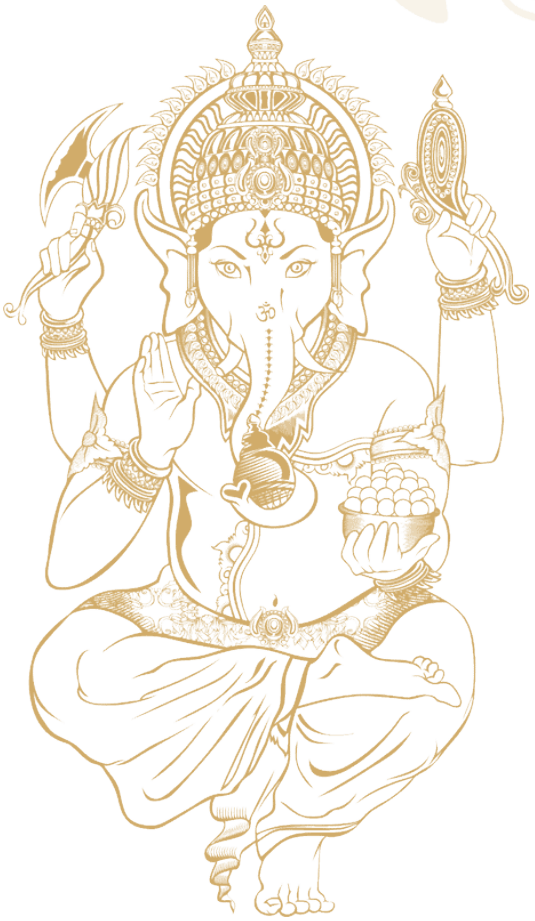

????? ?????

09 Feb 1959

12:51 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121901512

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/02/1959**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:51:00 घंटे**
इष्ट	44:22:58 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:29:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:16 घंटे
साम्पातिक काल	09:42:28 घंटे
सूर्योदय	07:05:48 घंटे
सूर्यास्त	18:05:06 घंटे
दिनमान	10:59:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:00:19 मकर
लग्न के अंश	25:00:19 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	परिघ
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:00:19	307:15:41	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			मक	26:00:19	01:00:46	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	08:04:15	12:56:15	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	05:57:14	00:25:24	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	सम राशि
बुध		अ	मक	21:57:45	01:43:28	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	06:31:20	00:06:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	17:18:08	01:14:42	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			धनु	10:21:52	00:05:38	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
राहु	व		कन्या	21:05:41	00:07:38	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	21:05:41	00:07:38	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		कर्क	20:48:45	00:02:37	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	---
नेप	व		तुला	13:40:18	00:00:03	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
प्लूटो	व		सिंह	10:01:39	00:01:28	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
दशम भाव			कर्क	29:59:41	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:17:16

लग्न-चलित

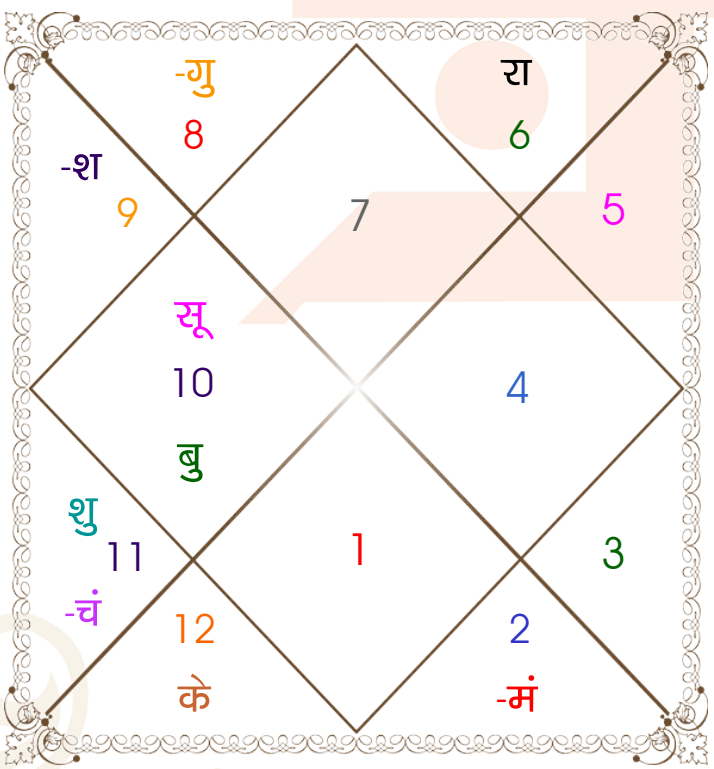

चन्द्र कुंडली

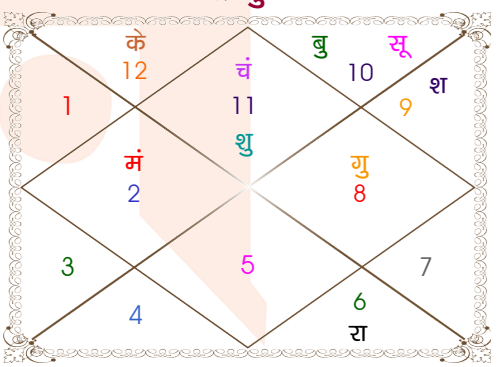

नवमांश कुंडली

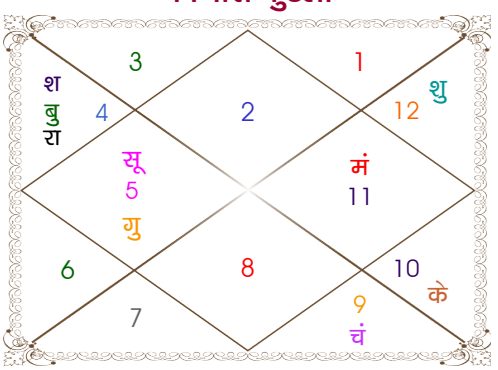

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 1 मास 7 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/02/1959		19/03/1975		19/03/1991		18/03/2010		19/03/2027	
19/03/1975		19/03/1991		18/03/2010		19/03/2027		18/03/2034	
राहु	29/11/1959	गुरु	06/05/1977	शनि	21/03/1994	बुध	14/08/2012	केतु	15/08/2027
गुरु	24/04/1962	शनि	17/11/1979	बुध	29/11/1996	केतु	11/08/2013	शुक्र	14/10/2028
शनि	28/02/1965	बुध	22/02/1982	केतु	07/01/1998	शुक्र	11/06/2016	सूर्य	19/02/2029
बुध	17/09/1967	केतु	29/01/1983	शुक्र	09/03/2001	सूर्य	18/04/2017	चंद्र	20/09/2029
केतु	05/10/1968	शुक्र	29/09/1985	सूर्य	19/02/2002	चंद्र	17/09/2018	मंगल	16/02/2030
शुक्र	06/10/1971	सूर्य	18/07/1986	चंद्र	20/09/2003	मंगल	14/09/2019	राहु	06/03/2031
सूर्य	29/08/1972	चंद्र	17/11/1987	मंगल	29/10/2004	राहु	03/04/2022	गुरु	10/02/2032
चंद्र	28/02/1974	मंगल	23/10/1988	राहु	05/09/2007	गुरु	09/07/2024	शनि	21/03/2033
मंगल	19/03/1975	राहु	19/03/1991	गुरु	18/03/2010	शनि	19/03/2027	बुध	18/03/2034

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/03/2034		18/03/2054		18/03/2060		18/03/2070		18/03/2077	
18/03/2054		18/03/2060		18/03/2070		18/03/2077		00/00/0000	
शुक्र	18/07/2037	सूर्य	06/07/2054	चंद्र	16/01/2061	मंगल	15/08/2070	राहु	09/02/2079
सूर्य	18/07/2038	चंद्र	05/01/2055	मंगल	17/08/2061	राहु	02/09/2071		00/00/0000
चंद्र	18/03/2040	मंगल	12/05/2055	राहु	16/02/2063	गुरु	08/08/2072		00/00/0000
मंगल	18/05/2041	राहु	05/04/2056	गुरु	17/06/2064	शनि	17/09/2073		00/00/0000
राहु	18/05/2044	गुरु	22/01/2057	शनि	17/01/2066	बुध	14/09/2074		00/00/0000
गुरु	17/01/2047	शनि	04/01/2058	बुध	18/06/2067	केतु	10/02/2075		00/00/0000
शनि	18/03/2050	बुध	11/11/2058	केतु	17/01/2068	शुक्र	11/04/2076		00/00/0000
बुध	16/01/2053	केतु	19/03/2059	शुक्र	17/09/2069	सूर्य	17/08/2076		00/00/0000
केतु	18/03/2054	शुक्र	18/03/2060	सूर्य	18/03/2070	चंद्र	18/03/2077		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 1 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।